कठपुतली

1.दूसरी कठपुतलियाँ क्या बोलीं?  
(a) हमें आजादी चाहिए  
(b) हमें आत्मनिर्भर होना चाहिए  
(c) स्वतंत्र होने के लिए  
(d) उपर्युक्त सभी कथन  
2. कविता में कठपुतली किसकी प्रतीक है?  
(a) खिलौने की  
(b) आम लोगों की  
(c) स्वतंत्रता की  
(d) उड़ने की  
3. ‘हमें अपने मन के छंद हुए’ का क्या अर्थ है-  
(a) अपने मन का काम  
(b) अपने लिए जीना  
(c) अपने मन की बात सुनना  
(d) नया जीवन जीना  
4. ‘पहली कठपुतली’ रेखांकित शब्द है-  
(a) संज्ञा  
(b) सर्वनाम  
(c) क्रिया  
(d) विशेषण  
5. क्या कठपुतलियाँ स्वतंत्र हो गईं ? यदि हो गई तो कौन-सी?  
(a) हाँ  
(b) सबसे छोटी वाली  
(c) नहीं, कोई भी नहीं  
(d) पता नहीं

1.पहली कठपुतली की बात किसने सुनी?

2.पहली कठपुतली मन में क्या सोचने लगी?  
3.पहली कठपुतली के मन में क्या इच्छा जगी थी, वह कितनी स्वाभाविक थी?

4.मन के छंद छूने का अर्थ क्या है?

5. ‘इच्छा’ शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।

प्रश्न 1.  
कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

प्रश्न 2.  
कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

प्रश्न 3.  
पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगीं?

प्रश्न 4.  
पहली कठपुतली ने स्वयं कहा कि-‘ये धागे / क्यों हैं मेरे पीछे-आगे? / इन्हें तोड़ दो; / मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।’ -तो फिर वह चिंतित क्यों हुई कि-‘ये कैसी इच्छा / मेरे मन में जगी ?’ नीचे दिए वाक्यों की सहायता से अपने विचार व्यक्त कीजिए

* उसे दूसरी कठपुतलियों की जिम्मेदारी महससू होने लगी।
* उसे शीघ्र स्वतंत्र होने की चिंता होने लगी।
* वह स्वतंत्रता की इच्छा को साकार करने और स्वतंत्रता को हमेशा बनाए रखने के उपाय सोचने लगी।
* वह डर गई, क्योंकि उसकी उम्र कम थी।

प्रश्न 5.  
‘बहुत दिन हुए / हमें अपने मन के छंद छुए।’-इस पंक्ति का अर्थ और क्या हो सकता है? नीचे दिए हुए वाक्यों की सहायता से सोचिए और अर्थ लिखिए-  
(क)बहुत दिन हो गए, मन में कोई उमंग नहीं आई।  
(ख) बहुत दिन हो गए, मन के भीतर कविता-सी कोई बात नहीं उठी, जिसमें छंद हो, लय हो।  
(ग) बहुत दिन हो गए, गाने-गुनगुनाने का मन नहीं हुआ।  
(घ) बहुत दिन हो गए, मन का दुख दूर नहीं हुआ और न मन में खुशी आई।